an>

Title: Problems being faced by the displaced person of the Korba coal mines in Chhattisgarh.

डॉ. बंशीलाल महतो (कोरबा) : माननीय अध्यक्ष जी, मैं कोरबा संसदीय क्षेत्र से आता हूं जहां कोयले का उत्पादन सबसे ज्यादा है। मैं माननीय प्रधान मंत्री जी को इस बात के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं जो उन्होंने कोयले के क्षेत्र में उसके नियमों में जो परिवर्तन किया है जिसके कारण छत्तीसगढ़ प्रदेश को पूरे भारत वर्ष में सबसे ज्यादा धनराशि 47000 करोड़ रुपये के करीब आबंटित की गई है। कोयला क्षेत्र के उत्पादन के साथ साथ वहां की जनता की तरफ भी ध्यान दिया जाना चाहिए कि दस साल पहले उनकी जमीन एक्वायर कर ली गई। शादी ब्याह जमीन बेचने के नाम पर रुका हुआ है। जिस जमीन का रेट 75000-76000 रुपये प्रति एकड़ था, आज उसका रेट कम से कम चार लाख है, पांच लाख है और अभी तक काम शुरु नहीं किया गया है। नये भूमि अधिग्रहण नियम के अनुसार उनको मुआवजा भी मिलना चाहिए। हर परिवार के एक आदमी को नौकरी मिलनी चाहिए और जो खदानें खुली पड़ी हुई हैं, उनका समतलीकरण होना चाहिए। पर्यावरण की सुरक्षा के लिए वृक्षारोपण की संख्या बहुत ज्यादा होनी चाहिए तथा यह बहुत ही आश्चर्यजनक बात है कि मेरे क्षेत्र में वर्ष 1927 से कोयले की खदानें स्थापित हैं। सबसे ज्यादा कोयला खदानें उसी क्षेत्र में हैं, फिर भी वहां प्रगति रूकी हुई है।

13.00 hrs